भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
Bharat Heavy Electricals Limited

Message from Director (Finance)

I am happy to note that this year Vigilance Awareness Week will be observed from 27th October to 2nd November, 2025. Observing Vigilance Awareness Week reminds us that vigilance is not a task—it's a habit, a culture, a shared responsibility owned.

The theme **"Vigilance: Our Shared Responsibility"** reminds us that accountability is collective. Following financial rules and regulations is not merely procedural—it is the compass that ensures fairness, transparency and ethical decision-making. Each transaction we approve, each record we maintain and each report we prepare reflects our commitment to integrity in action, transparency in process and accountability in outcomes. In the world of finance, accuracy and transparency are non-negotiable. Every rupee saved from leakage, every process safeguarded against malpractice and every record maintained with transparency directly strengthens the sustainability and credibility of our organization.

In today's digital and interconnected business environment, ensuring the safety and security of our financial systems is paramount. A single lapse can have far-reaching consequences, but collective vigilance creates resilience and confidence. Robust internal controls, secure platforms and vigilant monitoring are essential to prevent risks, detect irregularities and maintain the trust of all stakeholders. Vigilance, therefore, must be exercised not just in preventing irregularities, but also in proactively strengthening internal checks, safeguarding digital platforms and maintaining transparency in every transaction. When we act with integrity, maintain transparency and uphold accountability, we create an environment where trust thrives, errors are minimized and sustainable growth is ensured.

The vigilance is proactive, not reactive. It is about creating an environment where integrity guides every decision and accountability is embraced at every level. When all of us share this responsibility, vigilance transforms from a compliance requirement into a powerful culture that protects and propels us forward. On this Vigilance Awareness Week, let us pledge to remain disciplined, alert, and uncompromising in carrying out each transaction—because profound practices only lead to sustainable future.

(Rajesh Kumar Dwivedi)
Director (Finance)

निदेशक (वित्त) का संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2025 तक मनाया जाएगा। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन हमें याद दिलाता है कि सतर्कता केवल एक कार्य नहीं है - यह एक आदत, एक संस्कृति है और हम सबकी एक साझा ज़िम्मेदारी है।

इस वर्ष का थीम **"सतर्कता: हमारी साझा ज़िम्मेदारी"** हमें याद दिलाती है कि जवाबदेही सामूहिक होती है। वित्तीय नियमों और विनियमों का पालन करना केवल एक प्रक्रिया मात्र नहीं है - यह वह मानदंड है जो निष्पक्षता, पारदर्शिता और नैतिक निर्णय को सुनिश्चित करता है। हमारे द्वारा अनुमोदित प्रत्येक लेनदेन, बनाए गए प्रत्येक रिकॉर्ड और तैयार की गई प्रत्येक रिपोर्ट हमारे कार्यों में सत्यनिष्ठा, प्रक्रिया में पारदर्शिता और परिणामों में जवाबदेही के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वितीय दुनिया में, सटीकता और पारदर्शिता ऐसी चीजें हैं जिन पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। व्यर्थ होने से बचाया गया हर रुपया, कदाचारमुक्त हर प्रक्रिया और पारदर्शिता के साथ रखा गया हर रिकॉर्ड सीधे तौर पर हमारे संगठन की स्थिरता और विश्वसनीयता को मज़बूत करता है।

आज के डिजिटल और परस्पर जुड़े व्यावसायिक वातावरण में, हमारे वित्तीय प्रणालियों की सुरक्षा और संरक्षा सर्वोपरि है। एक भी चूक के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, लेकिन सामूहिक सतर्कता हमें संकटों से उबरने में मदद करती है और हमारे अंदर विश्वास पैदा करती है। मज़बूत आंतरिक नियंत्रण, सुरक्षित प्लेटफॉर्म और चौकस निगरानी जोखिमों को रोकने, अनियमितताओं का पता लगाने और सभी हितधारकों (Stakeholders) का विश्वास बनाए रखने के लिए अनिवार्य हैं। इसलिए, सतर्कता का उपयोग केवल अनियमितताओं को रोकने में ही नहीं, बल्कि सक्रिय रूप से आंतरिक जाँचों को मज़बूत करने, डिजिटल प्लेटफॉर्म को सुरक्षित करने और हर लेनदेन में पारदर्शिता बनाए रखने में भी किया जाना चाहिए। जब हम सत्यनिष्ठा से कार्य करते हैं, पारदर्शिता बनाए रखते हैं और जवाबदेही को कायम रखते हैं, तो हम एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जहाँ विश्वास बढ़ता है, त्रुटियाँ कम होती हैं और सतत विकास सुनिश्चित होता है।

सतर्कता रिऐक्टिव नहीं, बल्कि प्रोऐक्टिव है। यह एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए है जहाँ हर निर्णय के पीछे सत्यनिष्ठा होती है और जवाबदेही को हर स्तर पर अपनाया जाता है। जब हम सब इस ज़िम्मेदारी को निभाते हैं, तो सतर्कता केवल एक अनुपालन आवश्यकता न रहकर एक शक्तिशाली संस्कृति में बदल जाती है जो हमारी रक्षा करती है और हमें आगे बढ़ाती है। इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर, आइए हम प्रत्येक लेनदेन को पूरा करने में अनुशासित, सतर्क और किसी प्रकार का समझौता न करने का संकल्प लें - क्योंकि सुदृढ़ और गंभीर पद्धतियाँ ही संधारणीय भविष्य का आधार हैं।

(राजेश कुमार द्विवेदी)
निदेशक (वित्त)